विद्या भारती
संकुल संवाद

जनवरी 2025 | पौष – माघ। विक्रमी सं. 2081

विद्या भारती को कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित करने तथा प्रमाणीकरण करने वाले संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त

समुत्कर्ष महाशिविर

5000 विद्यार्थियों ने किया घोष वाद्यों का प्रदर्शन

शिविर के माध्यम से समाज में "पञ्च परिवर्तन" परिवार प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी आचरण, नागरिक दायित्व का संदेश दिया गया।

स्व. कृष्ण कुमार अष्ठाना
(15.05.1940- 14.01.2025)

कृष्ण कुमार अष्ठाना : कर्तव्यवेदी के मूक साधक

हिन्दी पत्रकारिता जगत में बाल साहित्य को महत्वपूर्ण स्थान दिलाने वाले तथा संघ के मालवा प्रांत के संघचालक रहे कृष्ण कुमार अष्ठाना - अब समृति शेष।

एनसीवीईटी(NCVET) द्वारा विद्या भारती को कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित करने तथा प्रमाणीकरण करने वाले संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त।

राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी), कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई), भारत सरकार ने विद्या भारती को कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित करने तथा प्रमाणीकरण करने वाले संस्थान के रूप में मान्यता दी है। शिक्षा क्षेत्र में व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिदृश्य को मजबूत करने के उद्देश्य से इस समझौते पर एमएसडीई के सचिव एवं एनसीवीईटी के अध्यक्ष श्री अतुल कुमार तिवारी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

एनसीवीईटी व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय प्राधिकरण के रूप में कार्य करता है, जो पूरे देश में कौशल विकास कार्यक्रमों के मानकों को स्थापित करने, नियम बनाने और उनकी गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसे कौशल विकास कार्यक्रम संचालित करने वाली संस्थाओं और मूल्यांकन एजेंसियों को मान्यता देने और उनकी देखरेख करने का काम सौंपा गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे उद्योग की उभरती मांगों को पूरा करने वाले कुशल कार्यबल के निर्माण में योगदान दें।

भारत का सबसे बड़ा शैक्षणिक संगठन विद्या भारती, पूरे देश में समग्र, मूल्य-आधारित शिक्षा प्रदान करने के मिशन के साथ काम करता है। अपने नेटवर्क के अंतर्गत 12,000 से अधिक औपचारिक विद्यालयों के साथ, विद्या भारती शैक्षिक नवाचार, अकादमिक उत्कृष्टता और कौशल विकास को बढ़ावा देने में लगातार सबसे आगे रही है। संगठन पारंपरिक शिक्षा के साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण को एकीकृत करके छात्रों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे राष्ट्रीय और वैश्विक उद्योग मानकों के अनुरूप व्यावहारिक कौशल प्राप्त करें। कौशल विकास कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला की प्रस्तुति करके, विद्या भारती स्किल इण्डिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी प्रमुख राष्ट्रीय पहलों का समर्थन करती है, जिसका उद्देश्य कौशल अंतर को पाटना और भारत में एक आत्मनिर्भर और कुशल कार्यबल के निर्माण में योगदान देना है। यह साझेदारी विद्या भारती को कई क्षेत्रों में कौशल पाठ्य-क्रम संचालित करने में सक्षम बनाएगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि छात्रों को उद्योग-प्रासंगिक प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर मिलें। एनसीवीईटी ने विद्या भारती द्वारा प्रस्तुत निम्नलिखित दो राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एनओएस) को पहले ही स्वीकृति दे दी है:

1. वैदिक गणित के मूल सिद्धांत (भाग 1)
2. वैदिक गणित के मूल सिद्धांत (भाग 2)
3. वैदिक गणित के मूल सिद्धांत (भाग 3)
4. टैली संचालन और जीएसटी गणना का परिचय
5. लेखा संचालन और जीएसटी अनुपालन

एमएसडीई के सचिव और एनसीवीईटी के अध्यक्ष श्री अतुल कुमार तिवारी ने भारत भर में विभिन्न क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कुशल कार्यबल के बढ़ते महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "चूंकि भारत विभिन्न उद्योगों में वैश्विक नेतृत्व करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, इसलिए नवाचार को आगे बढ़ाने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने में सक्षम उच्च कुशल कार्यबल को बढ़ावा देना आवश्यक है।"

श्री तिवारी ने रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से कौशल विकास के लिए कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया। उन्होंने भारत में व्यावसायिक शिक्षा के भविष्य को आकार देने में विद्या भारती की महत्वपूर्ण भूमिका की चर्चा की, जिसमें स्कूलों का व्यापक नेटवर्क और कौशल-आधारित प्रशिक्षण को मुख्यधारा की शिक्षा में एकीकृत करने का अभियान शामिल है। इस सहयोग का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों के छात्रों को कौशल प्रदान करना है, ताकि उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण स्पर्धा के लिए तैयार किया जा सके।

विद्या भारती के महामंत्री श्री अवनीश भटनागर और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री जैन पाल जैन ने समझौते के हस्ताक्षर समारोह के दौरान संगठन का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने देश भर में विद्या भारती के स्कूलों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से कौशल शिक्षा को और अधिक सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। कौशल विकास कार्यक्रम उद्योग की मांगों के साथ निकटता से जुड़े होंगे, यह सुनिश्चित करते हुए कि छात्रों को वैश्विक स्पर्धा के लिए बेहतर ढंग से तैयार करने के लिए व्यावहारिक अनुभव और प्रासंगिक उद्योग प्रदर्शन प्राप्त हो। हस्ताक्षर समारोह में एनसीवीईटी की कार्यकारी सदस्य डॉ. नीना पाहुजा, एनसीवीईटी के निदेशक (प्रभाग 1) कर्नल संतोष कुमार, एनसीवीईटी के निदेशक (प्रभाग 2) कर्नल गुंजन चौधरी, विद्या भारती के कौशल विकास प्रभाग के प्रभारी डॉ. आर.एस. गुप्ता, विषय-वस्तु प्रमुख डॉ. रमा शर्मा और प्रभाग के तकनीकी प्रमुख श्री सचिन सैनी की उपस्थिति रही।

समुत्कर्ष महाशिविर में विद्या भारती के विद्यार्थियों ने रचा इतिहास।

संपूर्ण भारत के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा समुत्कर्ष महाशिविर

विकसित भारत की यात्रा में समुत्कर्ष के विद्यार्थियों का होगा योगदान : हिमंत बिस्वा शर्मा

गुवाहाटी | विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा आयोजित समुत्कर्ष महाशिविर विद्या भारती के "पञ्च महाभूत" और "पञ्च कोश विकास" पर आधारित रहा। विद्या भारती के "पञ्च प्राण" इस शिविर का अभिन्न हिस्सा रहे, जिसमें विद्यार्थी, पूर्व छात्र, अभिभावक, आचार्य और प्रबंध समितियों के सदस्य शामिल हुए। शिविर के माध्यम से समाज में "पञ्च परिवर्तन" परिवार प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी आचरण, नागरिक दायित्व का संदेश दिया गया। गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में त्रिदिवसीय समुत्कर्ष महाशिविर में 5000 से अधिक विद्यार्थियों ने घोष प्रदर्शन में भाग लिया, साथ ही 1000 से अधिक बहनों ने बिहू नृत्य प्रस्तुत किया। समारोह में घोष के साथ ही आसन, व्यायामयोग एवं सूर्य नमस्कार भी विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किया गया।

समुत्कर्ष महाशिविर स्थल पर आयोजित बृहद प्रदर्शनी का शुभारम्भ असम के शिक्षा मंत्री श्री रनोज पेगू द्वारा किया गया। पर्वतीय क्षेत्र विकास, परिवहन, सहयोग, स्वदेशी और जनजातीय आस्था और संस्कृति मंत्री श्री जोगेन मोहन ने दीप प्रज्वलन कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में विशेष रूप से माजुली के मुखौटा, लोक वाद्य, ओलंपिया पारंपरिक खेल संग्रहालय द्वारा पारंपरिक खेल, संस्कृत, बालिका शिक्षा, शिशु वाटिका, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, अटारी, पूर्वोत्तर विकास वित्त निगम लिमिटेड, निश्चल स्मार्ट लर्निंग सॉल्यूशंस, प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय, असम प्रकाशन भारती, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल एवं राष्ट्रीय सिंधी भाषा संवर्धन परिषद के स्टॉल लगाए गए। असम, त्रिपुरा के राज्यपाल सहित मुख्यमंत्री ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

"समुत्कर्ष महाशिविर" का शुभारंभ असम के माननीय राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने किया। उन्होनें "भारत वन्दे मातरम्" गीत के माध्यम से विद्यार्थियों को समुत्कर्ष महाशिविर के भाव से अवगत कराया।

मा. राज्यपाल जी ने अपने उदबोधन में विद्यालयों में नित्य होने वाली सरस्वती वंदना का उल्लेख करते हुए कहा कि हममें साहस होना चाहिए और उसके साथ शील (चरित्र) भी आवश्यक है। सीता, सावित्री, दुर्गा मां जैसी बालिकाएँ घर-घर हों। माननीय राज्यपाल महोदय ने महाशिविर स्थल पर प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। माननीय राज्यपाल का स्वागत महाशिविर के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) श्री राणा प्रताप कलिता ने किया।

उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू, असम के खान एवं खनिज मंत्री श्री कौशिक रॉय, विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री श्री ब्रह्माजी राव, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के संगठन मंत्री श्री के एन रघुनंदन उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गए।

निश्चल स्मार्ट लर्निंग सॉल्यूशंस के प्रतिष्ठापक एवं सबसे कम उम्र के सी ए, विश्व के 7 प्रमुख मेधावियों में से एक निश्चल नारायणम का मार्गदर्शन विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय कवि सुमित ओरछा सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी श्री दिगंत बोरा, वरिष्ठ लेखक श्री लक्ष्मी नारायण भाला ने विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। इस सत्र में शिशु शिक्षा समिति असम की वेबसाइट लांच की गई।

त्रिपुरा के राज्यपाल श्री इन्द्रसेना रेड्डी नल्लु द्वारा पूर्वोत्तर लोक संस्कृति महोत्सव का शुभारम्भ किया गया। इस समारोह में विशिष्ट अतिथि असम विधानसभा अध्यक्ष श्री विश्वजीत दैमारी रहे। पूर्वोत्तर राज्यों से आये विद्यार्थियों ने विभिन्न पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किये साथ ही लोक माता अहिल्या पर आधारित नृत्य नाटिका की विशेष प्रस्तुति हुई।

समुत्कर्ष महाशिविर के अंतर्गत पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह मा. कृष्ण गोपाल जी का पाथेय प्राप्त हुआ।

आगे जारी ...

इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि अरुणाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री श्री पासंग दोरजी सोना, विशिष्ट अतिथि युवा फिल्म निर्देशक श्री लुकानंद क्षेत्रिमायुम, आमंत्रित अतिथि गौहाटी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ननी गोपाल महंत उपस्थित रहे। सम्मेलन में मुख्य अतिथि असम की खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती नंदिता गोर्लोसा, विशिष्ट अतिथि श्रीमती दसांग्लू पुल, मुख्य वक्ता के रूप में विद्या भारती के अखिल भारतीय सहसंगठन मंत्री श्री यतीन्द्र शर्मा, आमंत्रित अतिथि के रूप में राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय सह कार्यवाहिका सुश्री सुनीता हल्देकर सहित राष्ट्र सेविका समिति उत्तर असम प्रान्त कार्यवाहिका श्रीमती रिम्की भगवती विशिष्ट वक्ता के रूप में शामिल हुईं।

मुख्य मंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने समुत्कर्ष महाशिविर के समापन समारोह का दीप प्रज्वलन किया, विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना के पश्चात कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि ज्ञान से पवित्र कुछ भी नहीं है। प्राचीन काल में भारत आध्यात्मिकता, विज्ञान और ज्योतिष विद्या का केंद्र था। उन्होंने छात्रों को ज्ञान अर्जन हेतु तप करने की प्रेरणा दी और कहा कि अतीत के गहरे स्रोत से ज्ञान का अमृत लेकर, भविष्य की तकनीक के साथ कदम मिलाकर हमें 2047 तक विकसित भारत का निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि सेवा, शिक्षा का अनिवार्य अंग है, और छात्रों को जिज्ञासु प्रवृत्ति अपनाकर ज्ञान के अन्वेषण में तत्पर रहना चाहिए। साथ ही मुख्यमंत्री ने विद्या भारती परिवार, छात्रों, शिक्षकों एवं व्यवस्थापकों को इस स्वर्णिम यात्रा का साक्षी बनने के लिए बधाई दी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल जी ने कहा कि विद्या भारती छात्रों के शैक्षिक उत्थान के माध्यम से भारत की 5000 वर्षों की खोई हुई गौरवशाली परंपरा को पुनः जाग्रत कर, भारत को विश्वगुरु के पद पर स्थापित करने के लिए तत्पर है।

विद्या भारती के अखिल भारतीय सह-संगठन मंत्री श्री यतीन्द्र शर्मा ने माताओं से लोकमाता अहिल्या बाई के आदर्शों का अनुसरण कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बालिका शिक्षा के माध्यम से मातृशक्ति को सशक्त बनाना होगा, ताकि वे भविष्य में राष्ट्र को नेतृत्व प्रदान कर सकें।

इस अवसर पर विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र को "इंडियन ट्रेडिशनल वर्ल्ड रिकॉर्ड" प्राप्त हुआ।

विद्या भारती मानक परिषद अखिल भारतीय कार्यशाला

विद्या भारती मानक परिषद् की दो दिवसीय अखिल भारतीय कार्यशाला (SESQ न्यू वर्जन 2.0 सॉफ्टवेयर) विद्या भारती मध्य क्षेत्र अक्षरा, भोपाल मध्य प्रदेश में सम्पन्न

भोपाल | विद्या भारती मानक परिषद् की अखिल भारतीय कार्यशाला (SESQ न्यू वर्जन 2.0) दिनांक 27-28 जनवरी 2025 को विद्या भारती मध्य क्षेत्र कार्यालय, अक्षरा, भोपाल, मध्य प्रदेश में आयोजित की गई ।

कार्यशाला में अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोविंद चंद्र महंत एवं सुश्री मीनल दशपुत्रे (संयोजक, SMF-SESQ, पुणे)की गरिमामयी उपस्थित रही।

नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार लर्निंग ऑब्जेक्ट, लर्निंग आउटकम, लर्निंग मैटेरियल्स, स्ट्रैटेजी, और इंटीग्रेशन के साथ-साथ शिशु वाटिका की 12 शैक्षणिक व्यवस्था, प्रयत्नशील और प्रभावी शिशुवाटिका एवं पंचपदी में अधीति, बोध, अभ्यास, प्रयोग और प्रसार का SESQ न्यू वर्जन 2.0 सॉफ्टवेयर में कैसे समायोजन हो, इस पर विचार हुआ ।

कार्यशाला में ट्रेनर के रूप में सुश्री मीनल दशपुत्रे ने देशभर से उपस्थित मानक परिषद् के क्षेत्र प्रमुख एवं प्रान्त प्रमुखों को SESQ 2.0 न्यू वर्जन सॉफ्टवेयर विषय पर जानकारी प्रदान की। SESQ 2.0 न्यू वर्जन सॉफ्टवेयर पर कार्य एवं प्रशिक्षण कैसे होगा, विद्या भारती के समस्त विद्यालय इसे कैसे ऑनलाइन भरेंगे आदि विषय की जानकारी दी गई ।

समापन समारोह में श्री गोविंद चंद्र महंत ने कहा कि SESQ 2.0 न्यू वर्जन सॉफ्टवेयर में नई शिक्षा नीति 2020 के आधार पर, शताब्दी वर्ष के आधार पर, विद्या भारती विचार के आधार पर बहुत सारे बिंदु शामिल किये गए है। SESQ न्यू वर्जन 2.0 सॉफ्टवेयर से असेसरों को अपडेट करना होगा। प्रान्तशः उन्मुखीकरण करके SESQ न्यू वर्जन 2.0 सॉफ्टवेयर के बारे में बताना होगा। प्रांतों में विद्यालय स्तर पर प्रधानाचार्य का ओरिएंटेशन प्रोग्राम किया जाएगा। यह हमारे लिए चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद हमें धैर्य रखकर इस कार्य को पूरा करना है।

मानक परिषद् के अखिल भारतीय संयोजक श्री राकेश शर्मा ने अखिल भारतीय दो दिवसीय कार्यशाला की भूमिका रखी। कार्यशाला में विशेष रूप से विद्या भारती के अखिल भारतीय प्रशिक्षण संयोजक श्री अशोक भी उपस्थित रहे। सम्पूर्ण देश से मानक परिषद् के क्षेत्र प्रमुख एवं प्रान्त प्रमुखों के साथ-साथ चयनित असेसरों सहित 33 संख्या उपस्थित रही।

श्रद्धाजंलि

कर्तव्यवेदी के मूक साधक : कृष्ण कुमार अष्ठाना

हिन्दी पत्रकारिता जगत में बाल साहित्य को महत्वपूर्ण स्थान दिलाने वाले तथा संघ के मालवा प्रांत के संघचालक रहे कृष्ण कुमार अष्ठाना ।

देवपुत्र के "देवता" का देवलोक गमन

'दिव्य ध्येय की ओर तपस्वी जीवनभर अविचल चलता है', इस गीत को शब्दशः सार्थक करते 'देवपुत्र' के अभिभावक, मार्गदर्शक, गुरु आदरणीय कृष्ण कुमार अष्ठाना इंदौर में अपनी लौकिक ध्येय यात्रा को विराम देकर 14 जनवरी 2025 को अनंत यात्रा पर चले गए। वह 85 वर्ष की जीवन यात्रा में प्रथम बार चिकित्सालय में भर्ती हुए और यह प्रथम बार ही अंतिम बार सिद्ध हुआ। वह 'देवपुत्र' के भीष्म पितामह थे और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निष्ठावान कार्यकर्ता जो जीवनभर अपने जैसे कार्यकर्ताओं का निर्माण करने में योगी की भांति जुटे रहे। साहित्य, पत्रकारिता, शिक्षा और संगठन ही उनके जीवन के पुरुषार्थ चतुष्टय थे। संगठन ने जिस कार्य का भी दायित्व दिया उसे सम्यक रीति से सर्वोच्च शिखर तक ले जाने का उनका प्रयास आगामी अनेक पीढ़ियों के लिए आदर्श रहेगा। 'देवपुत्र' को साधन-विहीन अवस्था से संभाल कर उसे विश्व कीर्तिमान तक स्थापित कर दिया। उनकी लेखनी ने सतत् राष्ट्रदेव की आराधना की और वाणी ने सदैव राष्ट्रीयता का ही उद्घोष किया। वह जीवन के अंतिम समय तक साहित्य, संघ और पत्रकारिता में सक्रिय रहे। विगत दिनों इंदौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आयोजित स्वर शतकम् घोष वर्ग के आयोजन में भी मीडिया दीर्घा से पृथक स्वयंसेवकों के बीच रहे थे। ऐसे सहज स्वयंसेवक का अनायास चले जाना, लोक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक तथा पत्रकारिता जगत् में एक गहरा खालीपन दे गया है।

अष्ठाना जी ध्येयपथ पर चलते-चलते ध्येयरूप हो जाने के श्रेष्ठ उदाहरण बन गए। उनका यों चला जाना एक ऐसे शून्य का सृजन कर गया जिसको भरने में संभवतः सदियां लगें। 'देवपुत्र' में वे अब भौतिक देह से कभी नहीं आएंगे लेकिन जब तक देवपुत्र रहेगा वे देवपुत्र से जाएंगे नहीं। उनकी प्रेरणामयी वैचारिक वाटिका एवं संस्कार सुगध देवपुत्र का प्राण बनकर मार्गदर्शन करेगी। उन्होंने एक आयु पूर्ण की है पर एक युग का निर्माण किया है। बाल साहित्य में संस्कारों की स्थापना के इन महान पुरोधा तपस्वी को उनके द्वारा अपना संस्कारित किया 'सरस्वती बाल कल्याण न्यास' एवं देवपुत्र परिवार अश्रुपूरित श्रद्धांजलि देते हुए उनके निर्देशित पथ पर चलने को संकल्पित है। आप भारत के प्रथम बाल साहित्य सृजन पीठ, मध्य प्रदेश के निदेशक रहे।

अष्ठाना जी का जन्म ग्राम ऊंटगिर, तहसील खैरागढ़, जिला आगरा, उत्तरप्रदेश में 15 मई 1940 को हुआ था। इतिहास व राजनीति विज्ञान में एम.ए. तथा बी. एड. सहित साहित्य रत्न तक अध्ययन किया और शिक्षक, व्याख्याता एवं प्राचार्य के रूप में 16 वर्ष तक सेवाएं प्रदान कीं। वर्ष 1973 में पत्रकारिता में प्रवेश कर दैनिक स्वदेश में 12 वर्ष तक प्रबंध संपादक व संपादक के रूप में कार्य किया। स्वदेश की पत्रकारिता के दौरान देश में आपातकाल लगा। सरकार ने स्वदेश पर प्रतिबंध लगा दिया तथा संपादक व प्रबंध संपादक को जेल भेज दिया। अष्ठाना जी उस समय स्वदेश के संपादक थे। वर्ष 1981 से 1983 वह इंदौर प्रेस क्लब के अध्यक्ष रहे। इसी के साथ आपने अनेक सामयिक पत्रिकाओं का सम्पादन किया। तीन दशक से 'देवपुत्र' बाल मासिक में संपादक पद का दायित्व निभाते हुए 'भारतीय बाल साहित्य शोध संस्थान' की स्थापना की।

अष्ठाना जी मध्य प्रदेश समाचार-पत्र संघ भोपाल के उपाध्यक्ष एवं इंदौर समाचार पत्र संघ के सचिव भी रहे। अखिल भारतीय समाचार-पत्र संपादक सम्मेलन तथा इंडियन एंड ईस्टर्न न्यूज़ पेपर्स सोसायटी के भी आप सदस्य रहे। वर्तमान में मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति के उप सभापति थे। स्मृति, समिधा, एक और नंदीदीप, नव दधीचि-गुरु तेग बहादुर सहित उनकी 5 पुस्तकें भी प्रकाशित हुई हैं। अष्ठाना जी उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान द्वारा बाल साहित्य पर दिए जाने वाले पुरस्कार की चयन समिति में भी रहे। आकाशवाणी से भी आपकी चर्चाओं तथा आलेखों का प्रसारण होता रहा है।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से सम्मान

आपको विभिन्न राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया जिनमें 1997 में मध्यभारत हिन्दी साहित्य सभा, ग्वालियर द्वारा सम्मान, 1997 में ही 'नागरी बाल साहित्य सम्मान' बलिया (उ.प्र.), 1998 का 'मालवा शिक्षा सम्मान', इंदौर, बाल वाटिका पत्रिका भीलवाड़ा (राजस्थान) द्वारा सम्मान, वर्ष 2000 में बाल साहित्य, संस्कृति कला विकास संस्थान, बस्ती द्वारा 'संपादक रत्न सम्मान', 2001 में भारतीय

बाल कल्याण संस्थान, कानपुर द्वारा बनारस एवं हरिद्वार में सम्मान, 2002 में अ. भा. नवोदित साहित्यकार परिषद्, लखनऊ द्वारा सारस्वत सम्मान, 2002 में हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग द्वारा सम्मेलन सम्मान, मध्य भारत हिन्दी साहित्य सभा का शताब्दी वर्ष का बाल साहित्य सम्मान, 2003 में 'मनीषिका' संस्था कोलकाता द्वारा बाल साहित्य सम्मान, 2008 में प्रतिष्ठित मीरा सम्मान, प्रयागराज, राष्ट्रीय बाल साहित्य सम्मान, अकोला (चित्तौड़गढ़), 2012 में उत्तराखंड बाल साहित्य संस्थान, अलमोड़ा द्वारा सम्मान, 2012 में श्री तिवारी स्मृति सारस्वत सम्मान, विक्रमशिला विद्यापीठ, भागलपुर द्वारा विद्यावाचस्पति, देवी श्री अहिल्या नगर गौरव पुरस्कार, वर्ष 2022 में मातृभाषा उन्नयन संस्थान द्वारा हिन्दी गौरव अलंकरण सहित कई पुरस्कार एवं सम्मान अष्ठाना जी को प्राप्त हुए।

ग्राम उत्सव का आयोजन

गुलावता में ग्रामोत्सव के दौरान प्रतिभाओं का किया गया सम्मान

मध्य भारत | सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर हाईस्कूल गुलावता में ग्राम उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान शोभायात्रा निकाली गई और गौ माता का पूजन किया गया। इस अवसर पर कर्मकारों और वृद्धजनों का सम्मान भी किया गया। विद्यालय द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें शिवाजी, रानी लक्ष्मी बाई, अहिल्या बाई की सुंदर झांकी घोष के साथ चल रही थी। पीछे भव्य कलश यात्रा व ग्रामीणजन चल रहे थे। द्वार द्वार पर सुंदर रंगोली बनाई गई एवं गाँव के निवासियों ने पुष्पवर्षा कर द्वार-द्वार पर अतिथियों व शोभा यात्रा का स्वागत किया जिसमें गाँव के युवा व वृद्धजन भी बड़े उत्साह से शामिल हुए। वास्तव में लग रहा था कि यह विद्यालय का नहीं अपितु पूरे गाँव का उत्सव है न कोई भेदभाव न मतभेद, सभी ने एक साथ मिलकर बड़े हर्ष से उत्साहसे बाहर से आये अतिथियों का स्वागत किया। इस प्रकार के कार्यक्रम होने से निश्चित ही गाँव में लोगो में प्रेम बढ़ेगा, समरसता बढ़ेगी,गाँव की सज्जन शक्ति जागृत होगी, गाँव में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण के प्रति लोगो में जागरूकता बढ़ेगी ।

कार्यक्रम में श्री श्रीराम आरावकर अखिल भारतीय सह-संगठन मंत्री, श्री वीरेन्द्र सिंह सेंगर प्रादेशिक सचिव ग्रामीण शिक्षा मध्यभारत प्रांत, श्री चंद्रहंस पाठक प्रांत प्रमुख, श्री नित्यानन्द जी महाराज, श्री जयराम देथलिया स्थानीय समिति संरक्षण मंच, प्राचार्य श्री रामकिशन पाटीदार, विद्यालय संयोजक श्री पवन चौधरी आदि उपस्थित रहे।

मातृशक्ति महाकुम्भ

मातृशक्ति का प्रमुख कर्तव्य पाल्य को सही संस्कार देनाः आनन्दीबेन पटेल जी

देवी अहिल्या का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोतः पू. स्वामी अवधेशानन्द जी

प्रयागराज। विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र द्वारा आयोजित महाकुम्भ दर्शन शिविर में पुण्यश्लोका देवी अहिल्या की जन्म त्रिशताब्दी के अवसर पर 20 जनवरी को "मातृशक्ति महाकुम्भ" का अयोजन किया गया।

इस अवसर पर ढाई हजार से अधिक मातृशक्ति को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल ने कहा कि देवी अहिल्या बहुत ही सरल स्वभाव की महिला थीं, लेकिन पति की मृत्यु के बाद उन्होंने न केवल शासन चलाना सीखा बल्कि कुशल शासक बनकर शासन चलाया। दैवीय आपदा में फसलों की क्षति पर मुआवजा देने की शुरुआत देवी अहिल्या ने ही की थी। महामहिम राज्यपाल ने कहा कि किसी भी बालक के लिए उसका सबसे पहला विद्यालय उसका घर और सबसे पहली गुरु माँ होती है। मातृशक्ति का यह प्रमुख कर्तव्य है कि अपने पाल्य को सही संस्कार देकर अच्छा नागरिक बनाएं जिससे वह न केवल अपने परिवार बल्कि सम्पूर्ण समाज एवं राष्ट्र की सेवा कर सके। विद्या भारती के विद्यालय जिस प्रकार संस्कारयुक्त शिक्षा प्रदान करके बच्चों को सच्चा एवं राष्ट्रभक्त नागरिक बनाने का कार्य कर रहे है वह निश्चित रुप से कहीं न कहीं मातृशक्ति के उद्देश्य प्राप्ति में सहयोगी की भूमिका निभा रहा है। अध्यक्षता करते हुए जूना अखाड़ा के महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द जी ने कहा कि हम पुण्यश्लोका देवी अहिल्या का जन्म त्रिशताब्दी वर्ष मना रहे हैं। रानी देवी अहिल्या वीर योद्धा, कुशल शासक और दूरदर्शी रानी थीं। उन्हें न केवल मालवा की रक्षा करने के लिए जाना जाता है, बल्कि उनके सामाजिक कार्यों के लिए भी याद किया जाता है। देवी अहिल्या का जीवन युवाओं और आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। श्री यतीन्द्र शर्मा अखिल भारतीय सहसंगठन मंत्री विद्या भारती ने कहा कि लक्षद्वीप और मिजोरम को छोड़कर देश में 72 प्रांतीय एवं क्षेत्रीय समितियां विद्या भारती से संलग्न हैं। इनके अंतर्गत 13 हजार प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक और 12 हजार संस्कार केन्द्र एवं एकल विद्यालयों जैसी शिक्षण संस्थाएं संचालित की जा रही हैं। इन संस्थाओं में 1 लाख 50 हजार शिक्षकों के मार्गदर्शन में 36 लाख छात्र-छात्राएं शिक्षा एवं संस्कार ग्रहण कर रहे हैं। विद्या भारती का एक महत्वपूर्ण अंग मातृशक्ति है और इस कार्यक्रम के माध्यम से मातृशक्ति का जो विराट रूप दिख रहा है वह निश्चित ही सभी के लिए गर्व का विषय है। कार्यक्रम में वात्सल्य हॉस्पिटल की निदेशक डॉ. कृतिका अग्रवाल, क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री हेमचन्द्र, क्षेत्रीय सहसंगठन मंत्री डॉ. राममनोहर, क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ. दिव्यकान्त शुक्ल जी और विद्या भारती काशी प्रान्त के प्रचार प्रमुख श्री विक्रम बहादुर सिंह परिहार आदि उपस्थित रहे।

देवी अहिल्या की 300वीं जयंती

विद्याभारती पूर्व छात्र परिषद, मध्य भारत प्रांत द्वारा देवी अहिल्या की 300वीं जयंती पर 1400 से अधिक व्याख्यानों का आयोजन

मध्य प्रदेश । देवी अहिल्या की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में 1 से 18 जनवरी तक विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद्, मध्य भारत ने मध्य प्रदेश में सरकारी स्कूलों, निजी स्कूलों और कोचिंग संस्थानों में 1400 से अधिक व्याख्यान आयोजित किए। इन व्याख्यानों का उद्देश्य युवाओं को देवी अहिल्या की विरासत और मूल्यों के बारे में शिक्षित करना और उन्हें नेतृत्व, सामाजिक समानता और स्वशासन के उनके आदर्शों से जोड़ना था। विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद् के क्षेत्रीय प्रमुख श्री आशुतोष गुप्ता ने कहा कि इन व्याख्यानों ने जनता को अहिल्याबाई के नेतृत्व और प्रभाव के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराने का अवसर प्रदान किया। असाधारण नेतृत्व, सामाजिक कल्याण और रणनीतिक कौशल के लिए जानी जाने वाली देवी अहिल्या को तीर्थस्थलों के जीर्णोद्धार, मंदिरों के निर्माण और न्याय व सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने में योगदान के लिए याद किया जाता है। विद्या भारती के पूर्व छात्रों द्वारा आयोजित व्याख्यानों में उनके जीवन की प्रेरक कहानियों, न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, पर्यावरण संरक्षण और उनके शासन पर ध्यान केंद्रित किया गया।

विद्या भारती के प्रांत संगठन मंत्री श्री निखिलेश माहेश्वरी ने हाल ही में राष्ट्रसेविका माँ देवी अहिल्यानामक पुस्तक लिखी है, जो उनके जीवन और उपलब्धियों पर प्रकाश डालती है। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई ने न केवल भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत की रक्षा की, बल्कि वीरता, संवेदनशीलता, निष्पक्ष शासन और हिंदू मूल्यों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता जैसे गुणों का भी प्रदर्शन किया।

76वां गणतंत्र दिवस

विद्या भारती के विद्यालयों में 76वें गणतंत्र दिवस समारोह को उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। कुछ झलकियां...

आचार्य प्रशिक्षण वर्ग

अच्छे शिक्षण के लिए अच्छा प्रशिक्षण जरूरी: देशराज जी

विकासनगर। हिमाचल शिक्षा समिति की ओर से सरस्वती विद्या मन्दिरों के आचार्यों-दीदियों के लिए 30 दिनों का आवासीय प्रशिक्षण वर्ग सरस्वती विद्या मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हिमरश्मि परिसर विकासनगर, शिमला में आयोजित किया गया।

उद्घाटन अवसर पर विद्या भारती उत्तरक्षेत्र के महामंत्री श्री देशराज शर्मा ने कहा कि प्रशिक्षण सतत् विकास की प्रक्रिया है। शिक्षा सिखाई नहीं जाती बल्कि ग्रहण की जाती है। जो आचार्य अपने ज्ञान को निरन्तर नहीं बढ़ाता उसे शिक्षक बनने का कोई अधिकार नहीं है। आचार्य को प्रतिदिन कोई न कोई नवाचार करना चाहिए। समाज में प्रतिदिन आ रहे नए विचारों, आवश्यकताओं और चुनौतियों का उत्तर देने का दायित्व शिक्षक का है। प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर देते हुए श्री देशराज जी ने कहा कि ज्ञान के प्रत्येक क्षेत्र में नए-नए सिद्धान्तों, नियमों, प्रवृतियों एवं विचारों का समावेश हो रहा है। इसके लिए प्रशिक्षण अनिवार्य है।

शिक्षा में हो रहे परिवर्तनों के लिए नवीन तैयारी करनी होगी और नई तकनीक को अपनाना ही होगा। कोई व्यक्ति अकेला नहीं सीख सकता बल्कि सीखने के लिए समूह की आवश्यकता होती है। अच्छे शिक्षण के लिए अच्छा प्रशिक्षण होना अनिवार्य है। शैक्षिक समस्याओं को समझना एवं समाधान करने के लिए प्रशिक्षण अनिवार्य है। शिक्षण कार्य व्यवसाय नहीं बल्कि सेवा कार्य है। प्रांत मीडिया प्रभारी देवी सिंह वर्मा के अनुसार प्रशिक्षण वर्ग में विद्या भारती की रीति नीति, भारतीय जीवन रचना, भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, शिक्षा के उद्देश्य, विद्या भारती की अभिनव पंचपदी आदि से परिचित कराया गया। प्रशिक्षण वर्ग में 6 जिलों के सरस्वती विद्या मन्दिरों से 98 आचार्य-दीदी शामिल रहे।

आयोजन में हिमाचल शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री मोहन सिंह केस्टा, संगठन मंत्री श्री ज्ञान सिंह, महामंत्री श्री सुरेश कुमार कपिल, उपाध्यक्ष श्री दिलाराम चौहान, प्रांत प्रशिक्षण प्रमुख श्री सुनील कुमार, शैक्षिक प्रमुख श्री सुरेश कुमार, पूर्णकालिक श्री प्रवीण चौहान का विशेष सहयोग रहा।

सरस्वती शिशु मंदिर पोहरी का भूमि पूजन

शिवपुरी। विद्या भारती मध्य भारत प्रांत की योजनानुसार शिवपुरी विभाग के अंतर्गत पोहरी में सरस्वती शिशु मंदिर का भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर पूजनीय संत श्री श्री 1008 श्री सेवानंद सरस्वती जी (चूना खो महाराज जी) का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष शिवपुरी नेहा यादव ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिरों में शिक्षा के साथ ज्ञान और संस्कार भी दिए जाते हैं जो जीवन में हर समय काम देते हैं।

मुख्य वक्ता संगठन मंत्री मध्य भारत प्रांत निखिलेश माहेश्वरी ने कहा कि देश को अच्छे नागरिक प्रदान करना जो देश के लिए विचार करें यह सीख सरस्वती शिशु मंदिरों में ही दी जाती है। अध्यक्षता करते हुए श्री शिरोमणि दुबे, सचिव, सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान भोपाल ने कहा कि जो बच्चे यहां अध्ययन के लिए आते हैं उनमें ज्ञान के साथ देशभक्ति की भावना का भी विकास किया जाता है। कार्यक्रम की भूमिका सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान भोपाल के सह सचिव श्री महेन्द्र सिंह रघुवंशी ने रखी।

अभिलेखागार विभाग की बैठक

विद्यालयों का इतिहास संरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी: प्रदीप कुमार

मथुरा | माधव कुंज स्थित विद्या भारती ब्रज प्रदेश कार्यालय में अभिलेखागार विभाग की एक दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का शुभारंभ अखिल भारतीय अभिलेखागार संयोजक श्री प्रदीप कुमार और विद्या भारती ब्रज प्रदेश के संगठन मंत्री श्री हरीशंकर ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

श्री प्रदीप कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालयों के अभिलेख केवल दस्तावेज नहीं, बल्कि उनकी पहचान और गौरव का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा, "अभिलेखों के माध्यम से हम विद्यालय के इतिहास को संरक्षित रखते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत नींव तैयार करते हैं। विद्यालय की प्रगति और उपलब्धियों को सही ढंग से संरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है। प्रत्येक विद्यालय में अभिलेखों के सुव्यवस्थित प्रबंधन से न केवल संस्था की विश्वसनीयता बढ़ती है, बल्कि इससे संस्था के विकास में भी मदद मिलती है।"

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि विद्यालयों को अपने सभी दस्तावेजों को डिजिटलीकृत करने की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए, ताकि अभिलेख लंबे समय तक सुरक्षित रहें। बैठक में विद्या भारती ब्रज प्रदेश के समन्वयक श्री प्रमोद वर्मा ने ब्रज प्रांत के वर्तमान स्वरूप पर चर्चा की और विभागीय कार्यों की प्रगति पर प्रकाश डाला।

पश्चिम उत्तर प्रदेश क्षेत्र के अभिलेखागार प्रमुख श्री कमलजी ने अभिलेखों के प्रबंधन के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं और उपकरणों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर डॉ. भूपेन्द्र कुमार सह प्रदेश निरीक्षक, श्री देवेन्द्र यादव प्रदेश निरीक्षक (जन शिक्षा समिति ब्रज प्रदेश), श्री हरवीर सिंह चाहर सह प्रदेश निरीक्षक (शिशु शिक्षा समिति ब्रज प्रदेश), प्रांतीय संयोजक अभिलेखागार श्री सतेंद्र चौहान और श्री उत्तम सिंह उपस्थित रहे।

बैठक में 12 जिलों के प्रधानाचार्य उपस्थित थे।

जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख प्रांत की समीक्षा व योजना बैठक

देशराज जी ने आगामी योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए मार्गदर्शन किया

जम्मू-कश्मीर । जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख प्रांत की समीक्षा व योजना बैठक प्रांत कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख प्रांत की शैक्षिक गतिविधियों की समीक्षा की गई और आगामी योजनाओं पर चर्चा की गई। श्री देशराज जी महामंत्री विद्या भारती, उत्तर क्षेत्र ने आगामी योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर श्री वेद भूषण शर्मा अध्यक्ष डॉ. नरेश कुमार, महामंत्री भारतीय शिक्षा समिति जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख, श्री समीर कृष्ण सप्रू प्रांत कार्यालय मंत्री आदि उपस्थित रहे।

पीजे शिशु मंदिर में भारत के पूर्व राजदूत डॉ दीपक बोहरा का हुआ शुभागमन!

भारत विश्व गुरु था, विश्व गुरु है और विश्व गुरु रहेगा- डॉ दीपक बोहरा

चाईबासा । पद्मावती जैन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, चाईबासा में भारत के पूर्व राजदूत व वर्तमान में प्रधानमंत्री के सलाहकार डॉ. दीपक बोहरा का शुभागमन हुआ। उन्होंने आर्मेनिया, जॉर्जिया, सूडान, दक्षिण सूडान, पोलैंड और लिथुआनिया में भारत के राजदूत रूप में कार्य किया है। उन्होंने विद्यालय के कक्षा षष्ठ से दशम तक के छात्रों को अभिप्रेरित किया तथा भारत की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत विश्व गुरु था, विश्व गुरु है और विश्व गुरु रहेगा। आज भारत ने सभी क्षेत्रों में क्रमिक विकास कर आत्मनिर्भर है। उसे किसी दूसरे देश से सहायता लेने की जरूरत नहीं है बल्कि वह आवश्यकता पड़ने पर दूसरे देश को मदद करने में सक्षम है। इस प्रगति के पीछे हमारी सभ्यता-संस्कृति और भारतीयता है। उन्होंने अन्यान्य उदाहरणों के माध्यम से भारत की महिमा का बखान करते हुए बच्चों को प्रेरित किया और कहा कि हमें एकजुट होकर रहना है।

डॉ. दीपक बोहरा का स्वागत विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष श्री रामध्यान मिश्र, प्रभारी प्रधानाचार्य श्री अरविंद पांडेय, श्री अनिल शर्मा ने किया। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त आचार्य बंधुभगिनी तथा रोटरी क्लब, चाईबासा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कृति विद्यार्थी मेधा सम्मान

उत्तर बंग | विद्या भारती उत्तर बंग के प्रान्त कार्यालय शताब्दी सदन में कृति विद्यार्थी मेधा सम्मान-2025 का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विद्या भारती पूर्व क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ आनन्द राव, प्रान्त अध्यक्ष श्री जगन्नाथ दास, संगठन मंत्री श्री रमाकांत महन्त व मंत्री श्री देवाशीष लाला आदि उपस्थित रहे। प्रान्त के सभी विद्यालयो में कक्षा चतुर्थ में विभिन्न प्रतियोगितात्मक परीक्षा आयोजित की जाती है। प्रान्तीय शैक्षिक परिषद इसकी व्यवस्था करता है औऱ इस परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को कृति विद्यार्थी मेधा सम्मान से सम्मानित किया जाता है। इसके तहत प्रमाण-पत्र, सहयोग राशि प्रदान की जाती है।

प्रयागराज महाकुम्भ में विद्या भारती के शिविर का उद्घाटन

आध्यात्मिक चेतना का केन्द्र है महाकुम्भः यतीन्द्र जी

प्रयागराज। विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र की ओर से 10 जनवरी को प्रयागराज महाकुम्भ में विद्या भारती दर्शन शिविर का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि श्री यतीन्द्र जी अखिल भारतीय सहसंगठन मंत्री, विद्या भारती ने कहा कि महाकुम्भ आध्यात्मिक चेतना का केंद्र है। कुंभ मेला विश्व का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम है, जिसमें बड़ी संख्या में सनातनी पवित्र त्रिवेणी में स्नान करते हैं। बिना किसी आमंत्रण के करोड़ों लोग यहां पहुंचते हैं। विद्या भारती का यह शिविर 26 फरवरी तक चलेगा, जिसमें घोष शिविर और संस्कार केन्द्र के भैया-बहनों का सपरिवार कुम्भ दर्शन प्रमुख है। विशिष्ट अतिथि श्री हेमचन्द्र, क्षेत्रीय संगठन मंत्री, विद्या भारती ने कहा कि इस शिविर का उद्देश्य भारतीय संस्कृति एवं परम्परा को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है। सनातन धर्म में महाकुंभ का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दौरान गंगा स्नान करने से पापों का नाश होता है और जीवन की सभी समस्याओं का निवारण होता है। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ दिव्यकान्त शुक्ल, अध्यक्ष, विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश ने कहा कि वर्षों से इस दिन का लोग बेसब्री से इंतजार करते हैं।

इस अवसर पर डॉ कृति अग्रवाल निदेशक, वात्सल्य हास्पिटल, डॉ राम मनोहर, सहक्षेत्रीय संगठन मंत्री, विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश, डॉ तेजस्विनी अनंत कुमार अदम्य चेतना फाउण्डेशन, भारतीय शिक्षा समिति पूर्वी उत्तर प्रदेश के मंत्री श्री शरद गुप्त, प्रदेश निरीक्षक श्री शेषधर काशी प्रान्त के प्रचार प्रमुख श्री विक्रम बहादुर सिंह परिहार प्रधानाचार्य, ज्वाला देवी स.वि.म. सिविल लाइन्स आदि उपस्थित रहे। संचालन ज्वाला देवी विद्यालय सिविल लाइन्स की बहन अंशिका ने विद्यालय के आचार्य सन्तोष पाण्डेय जी के मार्गदर्शन में किया।

प्रधानमंत्री प्रेरणा उत्सव योजना में हुआ सगुन सिंह का चयन

विद्या भारती ब्रज प्रांत द्वारा संचालित संजय कुमार सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज शाहजहांपुर की कक्षा 11 की छात्रा सगुन सिंह का चयन प्रेरणा उत्सव योजना कार्यक्रम में हुआ है। इसके तहत सगुन सिंह गुजरात में सप्ताह भर चलने वाले विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रतिभाग करेंगी। प्रेरणा योजना के लिए पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय द्वारा परीक्षा आयोजित की जाती है जिसको उत्तीर्ण कर सगुन ने इस योजना के लिए अपना चयन सुनिश्चित किया। प्रधानमंत्री प्रेरणा योजना, शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा संचालित एक अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम है।इस कार्यक्रम में देश के अलग-अलग हिस्सों से 20 विद्यार्थियों (10 छात्रों और 10 छात्राओं) का चयन हुआ है। प्रेरणा कार्यक्रम देश के सबसे पुराने शहरों में से एक, गुजरात के मेहसाणा जिले के वडनगर में स्थापित वर्नाक्युलर स्कूल से शुरू होगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इस स्कूल के पूर्व छात्र रहे हैं। इसका पाठ्यक्रम आईआईटी गांधीनगर ने तैयार किया है जो नौ मूल्य आधारित विषयों पर बना है। इनमें स्वाभिमान और विनय, शौर्य और साहस, परिश्रम और समर्पण, करुणा और सेवा, विविधता और एकता, सत्यनिष्ठा और शुचिता, नवाचार और जिज्ञासा, श्रद्धा और विश्वास, और स्वतंत्रता और कर्तव्य शामिल हैं।

प्रियंका दांगी ने हासिल किया प्रथम स्थान

भोपाल की प्रियंका दांगी ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की सहायक प्राध्यापक, होम साइंस परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

इसके लिए लिखित और मौखिक परीक्षा आयोजित की गई थी। प्रियंका दांगी ने लिखित परीक्षा में 576 और इंटरव्यू में 91 अंक हासिल किए। परीक्षा कुल 900 अंक की हुई थी।

एमपीपीएससी सहायक प्राध्यापक गृहविज्ञान विषय की परीक्षा में प्रियंका प्रथम स्थान पर

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: एमपीपीएससी की ओर से आयोजित सहायक प्राध्यापक की परीक्षा में भोपाल की प्रियंका दांगी प्रथम स्थान हासिल किया है। प्रियंका ने गृहविज्ञान विषय में प्रथम स्थान हासिल किया है। उन्होंने बताया कि उनकी शादी एमएससी करने के बाद 2012 में हो गई थी। इसके बाद दो बच्चों की जिम्मेदारी के साथ पिछले साल से पढ़ाई शुरू की। सेट और नेट की परीक्षा भी पास किया। इसके बाद सहायक प्राध्यापक परीक्षा की तैयारी की। बच्चों को पढ़ाने और उनकी जिम्मेदारी के साथ खुद ही पढ़ाई की। उन्होंने बताया कि सुबह चार से सात बजे तक खुद पढ़ाई करती थी। इसके बाद बच्चों को स्कूल भेजना और फिर दोपहर और रात में पढ़ाई की। उन्होंने कहा कि मेहनत करके कुछ भी हासिल किया जा सकता है। बता दें, कि एमपीपीएससी ने गृहविज्ञान सहायक प्राध्यापक के 42 पदों पर परीक्षा आयोजित की गई थी। इसमें लिखित

प्रियंका दांगी। • सौजन्य: स्वयं

दो विद्यार्थियों को 68वें नेशनल स्कूल गेम्स में गोल्ड मेडल

झारखण्ड के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम मोराबादी, रांची में विद्या भारती द्वारा आयोजित 68वें नेशनल स्कूल गेम्स में ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गंगापुरी रसूलाबाद प्रयागराज विद्यालय के आर्य देव और मोहम्मद शहंशाह ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया है।

आर्य देव ने पोल वाल्ट में और शहंशाह ने जैवलिन थ्रो में यह उपलब्धि हासिल की है।

पूर्व छात्र श्री सचिन भार्गव प्रथम खो-खो वर्ल्ड कप विजेता टीम में

विद्या भारती मालवा प्रांत के मार्गदर्शन में चलने वाले सरस्वती शिशु मंदिर विजयनगर देवास के पूर्व छात्र श्री सचिन भार्गव को प्रथम खो-खो वर्ल्ड कप विजेता टीम में होने पर नगर में विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। विभिन्न खेल संगठनों, विभिन्न विद्यालयों के संचालक, खेल प्रेमियों, विजयनगर सरस्वती शिशु मंदिर के समस्त आचार्य दीदी एवं समिति के सदस्यों द्वारा सचिन भार्गव का स्वागत किया गया। शोभायात्रा में सचिन के पिता श्री भैरू सिंह भार्गव, उनके भाई दिलीप, उनकी माताजी, विद्यालय के खेल शिक्षक श्री प्रवीण सांगते, देवास नगर के खेलगुरु श्री राधेश्याम जी सोलंकी आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर विद्या भारती इंदौर विभाग समन्वयक श्री राकेश जी जोशी द्वारा भी इन्हें सम्मानित किया गया।

ग्वालियर विज्ञान मेला 2025 का आयोजन

ग्वालियर। विज्ञान के क्षेत्र में कार्य करने वाली अग्रणी संस्था विज्ञान भारती की ओर से ग्वालियर विज्ञान मेला 2025 का आयोजन केंद्रीय विश्वविद्यालय अटल बिहारी वाजपेयी सूचना एवं प्रौद्योगिकी संस्थान ग्वालियर में किया गया। इसमें 50 विद्यालयों के 1200 भैया-बहनों ने भाग लिया। सरस्वती शिशु मंदिर केदारधाम आवासीय विद्यालय ग्वालियर के प्रिंस रावत, यशवर्धन जाट ने विज्ञान मॉडल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। पुरस्कार केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने प्रदान किए।

विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

सेवा में ,

प्रज्ञा सदन

जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर,
महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली - 110065

@VidyaBharatiIN

www.vidyabharti.net www.vidyabharatisamvad.com
Email: vbabss@yahoo.com | vbsamvad@gmail.com
Contact Us : 91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126